MOTION FOR ELECTION TO THE COMMITTEE ON PUBLIC ACCOUNTS

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI O. RAJAGOPAL) : Madam, I move the following Motion:-

"That this House concurs in the recommendation of the Lok Sabha that the Rajya Sabha do agree to nominate seven Members from Rajya Sabha to associate with the Committee on Public Accounts of the Lok Sabha for the term beginning on the 1st May, 2003 and ending on the 30th April, 2004 and do proceed to elect, in such manner as the Chairman may direct, seven Members from among the Members of the House to serve on the said Committee."

The question was put and the motion was adopted.

MOTION FOR ELECTION TO THE COMMITTEE ON PUBLIC UNDERTAKINGS

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI O. RAJAGOPAL) : Madam, I move the following Motion:-

"That this House concurs in the recommendation of the Lok Sabha that the Rajya Sabha do agree to nominate seven Members from Rajya Sabha to associate with the Committee on Public Undertakings of the Lok Sabha for the term beginning on the 1st May, 2003 and ending on the 30th April, 2004 and do proceed to elect, in such manner as the Chairman may direct, seven Members from among the Members of the House to serve on the said Committee."

The question was put and the motion was adopted.

MATTERS RAISED WITH PERMISSION OF THE CHAIR

Threat to Member of Parliament and his family

डा. अबरार अहमद (राजस्थान) : मैडम, गत तीन दिनो से लगातार मेरे और मेरे परिवार को जिस तरह से जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं, मैं आपके माध्यम से उसके बारे मे सदन और सरकार को बताना चाहूंगा । शुक्रवार की रात को पौने बारह बजे एक व्यक्ति

को 7, तालकटोरा रोड, जो मेरा निवास स्थान है, उसके पीछे की बाउंडरी वॉल से अंदर आने का प्रयास करते हुए देखा गया । मेरा लड़का जो बीस साल की उम्र का है, वह पढ़ते पढ़ते बाहर निकला था क्योंकि बाहर सामने की कोठी के अंदर म्यूज़िक सिस्टम खराब हो गया था, जिसकी टूं-टूं की आवाज से वह डिस्टर्ब हो रहा था । उसने वापिस अंदर आते हुए देखा कि एक व्यक्ति वहां खड़ा हुआ अंदर आने का प्रयास कर रहा था । उसने चार कदम आगे बढ़कर ललकारा कि "कौन है" तो उस व्यक्ति ने वापिस कूदकर जाने का प्रयास किया । वह तेजी से दीवार के पास तक गया । पीछे कोई वैन थी, जिसमें वह बैठा । उसमे दूसरे भी कोई लोग होगे जो तेजी से उस वैन को भगाकर ले गये । मेरे बेटे ने बाहर से ही मुझे आवाज लगायी । मैं घबराकर उठा कि मेरा बेटा बाहर से आवाज़ क्यो लगा रहा है ? जब मुझे उसने बताया तो मैं उसके साथ बाउंडरी वाल पर गया और मैंने देखा कि वहां पर जो बांसो की बाड़ लगी होती है, वह हटी हुई थी । मैं फौरन अंदर आया और मैंने सौ नम्बर पर डायल करके इस संबंध मे इत्तला दी । इस बीच उसने वहां जाकर दुबारा देखा कि एक कागज जैसे मुट्ठी मे गुड़ी-मुड़ी करके रहता है, वहां गिरा हुआ मिला । वह उसने मुझे आकर दिखाया तो मैंने देखा कि उसमें मेरे घर का पूरा नक्शा बना हुआ था । उस नक्शे में ऐरो के माध्यम से मेरे बैडरूम तक कैसे पहुंचते हैं, वह बताया गया था और बैडरूम को डबल क्रॉस किया हुआ था । यह नक्शा मैंने फौरन, उसी दिन रात को सवा बारह बजे पुलिस को दिया । पुलिस अधिकारी आए और उन्होने पूरी लिखा-पढ़ी की । लेकिन कहानी यही खत्म नही हुई । दूसरे दिन ओपेल ऐस्ट्रा गाड़ी - जिसके अंदर शीशो पर फिल्म लगी हुई है और यह पता नही लगता कि उसमें कौन बैठा हुआ है - घर से बाहर निकली । उसमे मेरा लड़का किताब खरीदने गोल मार्किट जा रहा था । वहां पहुंचने से पहले ही निक्को होटल के पास एक लाल कॉलिस गाड़ी ने उसको आगे से ओवरटेक करके रोका । उसमे से तीन आदमी उतरे । दो के पास रिवॉल्वर और पिस्टल था तथा एक के हाथ मे हॉकी स्टिक थी । जैसे ही मेरे बेटे ने यह दृश्य देखा - रात की घटना उसे मालूम थी - उसने फौरन वहां से, जितनी उसमे भागने की ताकत थी, गाड़ी को भगाने का प्रयास किया। उस व्यक्ति ने एक स्टिक मेरे बेटे की गाड़ी के आगे कांच पर मारी और दूसरी घुमाकर फिर मारी , मेरा बेटा, जितनी तेजी से गाड़ी चल सकती थी, 130-140 किलोमीटर की स्पीड से दो किलोमीटर तक लगातार फुटपाथ पर लालबत्ती क्रास करते हुए भगाकर लाया । पीछे लाल कॉलिस ने उसका पीछा किया । संसद के गेट नम्बर दो पर आकर उसने गाड़ी को 120-130 की स्पीड पर ही लाते हुए रोका । संसद के वॉच ऐड वार्ड को मैं धन्यवाद दूंगा कि जैसे ही उसने उतरकर कहा कि मैं डा0 अबरार अहमद का बेटा हूं, पीछे एक गाड़ी मुझे फालो कर रही है, यहां के कमांडोज ने उसे फौरन सुरक्षा प्रदान की । वह कॉलिस गाड़ी उसी सर्किल से 30 सैकेड के बाद निकली । वहां पर जो पुलिस के आर्म्ड गार्ड्स थे, उन्होने भी उसे देखा । जब वहां से मेरे घर पर फोन गया तो मेरा बेटा फोन पर रो रहा था कि पापा, आप फौरन यहां पार्लियामेंट हाउस के अंदर आइए । मैंने पूछा कि क्या बात हुई ? उसने कहा कि "आप बस आ जाइए, मैं इस जगह पर हूं ।" मैं फौरन यहां आया। सारे वॉच ऐड वार्ड के लोग यहां थे, कमांडोज़ थे । उन्होने बताया कि इस तरह से बात हुई है । वहां पर जो लोग ड्यूटी पर थे, उन्होने भी मुझे बताया कि लाल कॉलिस यहां से निकली । उस संबंध मे भी हमने लिखित मे शिकायत दी । कहानी यही खत्म नही होती है । उसके बाद कल शाम को पांच बजे वही मेरे घर के पीछे बाउंडरी के पास एक कागज फिर से वहां पड़ा हुआ मिला, ताजा कागज, मेरे ड्राइवर सरवर ने - जो सवाई माधोपुर का रहने वाला है - वहां से उठाया । उस कागज पर लिखा हुआ

था कि "आखिर कब तक तुम और तुम्हारे बच्चे और बीबी बचोगे ? रात को पुलिस और दिन मे क्या ?" "क्वेश्चन मार्क" लगा रखा था । फिर अंग्रेजी में लिखा हुआ था "टेक केयर" और फिर नीचे लिखा हुआ था "जय श्री कृष्ण, जय अल्लाह "। यह कागज वहां पर पाया गया । महोदया, यह बात कई चीजों पर प्रश्न चिन्ह लगाती है । दो-ढाई किलोमीटर एक कॉलिस गाड़ी बराबर फुटपाथ पर चलती हुई ओपेल ऐस्ट्रा का पीछा करती है लेकिन रास्ते में या संसद के पास कोई उसे नहीं रोक पाया। संसद भवन के बाहर सर्किल से वह गाड़ी निकल गयी । जब मैं और मेरी पत्नी यहां आए तो हम बराबर यह कहते रहे कि यह सब छोड़ो और पहले उस गाड़ी को रोकने का प्रयास करो कि यह गाड़ी कहां है, कहां नहीं है। आज तक तीन दिन हो गये हैं, वह गाड़ी नही मिली । मैडम, मैं तो एक छोटा आदमी हूं । मरना हम सबको है, कोई आज मरेगा, कोई कल मरेगा लेकिन जिस प्रकार से संसद की सुरक्षा व्यवस्था पर यह बात प्रश्न चिन्ह लगाती है, हम लोगों की सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह लगाती है, वह बहुत अहम बात है । मैं इसके माध्यम से कोई सुरक्षा नहीं मांग रहा हूं - क्योंकि इस प्रकार की घटनाओं को इस चीज़ के अंदर डायल्यूट कर दिया जाता है - बल्कि मैं यह मांग करता हूं कि वे कौन लोग हैं, क्या कर रहे हैं ? अगर उनको पकड़ लिया जाता है तो अपने आप स्वत: ही सुरक्षा हो जाएगी । इसके अतिरिक्त जिस प्रकार से संसद की सुरक्षा पर प्रश्न चिन्ह लगा है, उसको देखा जाए । धन्यवाद ।

DR. T. SUBBARAMI REDDY (Andhra Pradesh) : Madam, it is a very serious matter ...(*Interruptions*)...

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI (Tamil Nadu) : Madam, as far as the safety of the MPs is concerned...(*Interruptions*)...

DR. ALLADI P. RAJKUMAR (Andhra Pradesh) : Madam, the direction should come from the Chair.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Okay. ...(*Interruptions*)...All right. ...(*Interruptions*)...अभी अबरार अहमद साहब ने मुझसे चैम्बर में कहा था, तो मैंने कहा था कि आप यह मैटर ज़रूर हाउस में उठाइए क्योंकि जो हमारे संसद सदस्य हैं, उनको सुरक्षा तो मिलनी ही चाहिए। बहुत से सवाल वे सदन में उठाते हैं, because of that also there may be some people against them. We know that a Member of the Lok Sabha was killed while going back to her residence from the Parliament House, near the gate of her residence. So, this matter is also very serious. Mr. Rajagopal...(*Interruptions*)...

श्री मूल चन्द मीणा (राजस्थान): मैडम, मंत्री जी को यहां बुलाकर बताना चाहिए। ...**(व्यवधान)**....

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am concerned about it, that is why, I want to say this. ...(*Interruptions*)... But, would you please wait for a minute? I think the Government would take the situation seriously. If I give a direction, I am sure, the Government will take some note of it. I would request Mr. Rajagopal to inform the Home Ministry about this. The

whereabouts of that Qualis car can be found out if the car number has been noted by anybody. The police should take some action and investigate how they could come near the Parliament House gate.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI O. RAJAGOPAL): Madam, the concern expressed by the hon. Member, which has been shared by most of the Members of this House, will be conveyed to the concerned Ministry.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Yes, it is the concern of all the Members. There can be no two opinions about the safety and security of the Members of Parliament. राजीव शुक्ल जी, आप कुछ कहना चाह रहे थे?

FELICITATIONS TO THE INDIAN CRICKET TEAM ON ITS VICTORIES OVER ENGLAND AND PAKISTAN IN THE WORLD CUP

श्री राजीव शुक्ल (उत्तर प्रदेश): मैडम, मैं यह कहना चाह रहा था कि विश्व कप मे जिस तरह से भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड और पाकिस्तान के खिलाफ पिछले दो मैचो में जीती है, मेरे ख्याल से सदन को इसके लिए उन्हे बधाई देनी चाहिए। अगर एक मैच हारने पर उनके घरो पर पथराव हो सकता है तो दो मैच जीतने पर कम से कम सदन को उन्हे बधाई तो देनी ही चाहिए, ऐसा मैं सदन से आग्रह करता हूं।

THE DEPUTY CHAIRMAN: We are all very happy about it.

DR. ALLADI P. RAJKUMAR: Madam, I support the views expressed by Shri Rajiv Shuklaji. ...*(Interruptions)*...

SOME HON. MEMBERS: Madam, we all support his views. ...*(Interruptions)*...

श्री सतीश प्रधान (महाराष्ट्र): मैडम, राजीव जी वहां गए और हम जीत गए। उनको भी बधाई है।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let me comment on this. ...*(Interruptions)*... We are very happy that the Indian Team has won in one match, and that now they are in Super Six. We hope that they win the World Cup also. We also wish them good luck.

श्री राजीव शुक्ल : मैडम, मैं वहीं से आ रहा हूं। प्रयास जारी है और लड़कों में बहुत उत्साह है। काफी मेहनत से ये खेल रहे हैं।